नाथ कब आओगे

मैं चिठियाँ,,,, हो मैं चिठियाँ,,,,
मैं चिठियाँ लिख लिख हारी,
कब आओगे बाबा पौणाहारी,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ,

पहले जै बाबे दी लिखा है ॥
फिर चरणों में प्रणाम लिखा है ॥
मैंने चिठियाँ पे, चिठियाँ डाली,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ॥
मैं चिठियाँ लिख लिख,,,,,,,,,,,,,,,,

दूजी चिट्ठी में यह लिख डाला ॥
घर आओ मेरे रत्नो के लाला ॥
तेरे भगतो ने, बाट निहारी,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ॥
मैं चिठियाँ लिख लिख,,,,,,,,,,,,,,,,

अब चिठियाँ, और ना लिखेंगे ॥
टेलीफोन या, फैक्स अब करेंगे ॥
हम डायरेक्ट, बात करेंगे,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ॥
मैं चिठियाँ लिख लिख,,,,,,,,,,,,,,,,

बाबा भगतो को भूल ना जाना ॥
दुनियाँ मारेगी हमको ताहना ॥
हँसी होगी, जग में तुम्हारी,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ॥
मैं चिठियाँ लिख लिख,,,,,,,,,,,,,,,,,,

धुन- ऐ थेवा मुँदरी दा थेवा
अपलोड कर्ता- अनिल रामूर्ति भोपाल बागहिओ वाले

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7089/title/nath-kab-aaogye-main-chithiyan-likh-likh-haari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |